बिहार विधान-सभा वादवृत ।

वृहस्पतिवार, तिथि १९ मार्च १९६४ ।

भारत के संविधान के उपबंध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण ।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में वृहस्पतिवार, तिथि १९ मार्च १९६४ को पूर्वाह्न ८ बजे अध्यक्ष डा० लक्ष्मी नारायण सुधांशु के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ ।

अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर ।

SHORT NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS.

श्री रामचन्द्र प्रसाद, अवर-निरीक्षक पर आरोप ।

१२। श्री रामकृष्ण महतो तथा श्री सफीकुल्लाह अन्सारी—क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिला के चहुटा अंचल (मधुबनी सबडिवीजन) में विद्यालय अवर-निरीक्षक श्री रामचन्द्र प्रसाद हैं;

(२) क्या यह बात सही है कि प्राथमिक विद्यालयों में जो शिक्षक नये नियुक्त होते हैं अथवा बदली होकर आते हैं उन शिक्षकों से पचास रुपये प्रति शिक्षक मांग करते हैं;

(३) क्या यह बात सही है कि वे शिक्षकों को किसी खास आदमी के द्वारा जीवन बीमा कराने को बाध्य करते हैं तथा राजनीति में भाग लेते हैं;

(४) क्या यह बात सही है कि उनके विरुद्ध विद्यालय उप-निरीक्षक, मधुबनी तथा जिला शिक्षाधीक्षक के पास उसी अंचल के रधौली अपर प्राइमरी स्कूल के शिक्षक श्री रामोधोग सिंह ने आवेदन-पत्र दिया है;

(५) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो उनके विरुद्ध कौन-सी कार्रवाई की गई है ?

*श्री गिरीश तिवारी—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(२) उत्तर नकारात्मक है ।

प्रधानाध्यापक पर आरोप।

१४४३। श्री राम कृष्ण राम—क्या शिक्षा मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) हजारीबाग जिला के सदर थाना के अन्तर्गत महेशरा मिडिल स्कूल के हेडमास्टर और असिस्टेन्ट हेडमास्टर का क्या नाम है;

(२) क्या यह बात सही है कि उपरोक्त स्कूल के हेडमास्टर तिथि १ अगस्त १९६१ से लगायत १८ अगस्त १९६१ तक स्कूल में अपनी हाजिरी दिखा कर तलब लिये हैं;

(३) क्या यह बात सही है कि उक्त हेडमास्टर तिथि १ अगस्त १९६१ से लगायत १८ अगस्त १९६१ तक हजारीबाग स्थित सेंट कोलम्बस कॉलेज से बी०ए० का इम्तहान देकर उत्तीर्ण हुए हैं;

(४) क्या यह बात सही है कि उक्त स्कूल के हेडमास्टर और असिस्टेंट हेडमास्टर के विरुद्ध हजारीबाग शिक्षा पदाधिकारी एवं बिहार के माननीय मुख्य मंत्री के पास वहां की जनता द्वारा तिथि १४ जुलाई १९६३ को आवेदन-पत्र दिया गया है, लेकिन अभी तक कोई कारंवाई नहीं की गई है;

(५) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं; तो इस संबंध में अबतक कोई कारंवाई नहीं होने का क्या कारण है?

श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह—(१) महेशरा मिडिल स्कूल के प्रधानाध्यापक और सहायक प्रधानाध्यापक का नाम क्रमशः श्री मुनेश्वर दयाल कुशवाहा और श्री गणेश राम हैं।

(२) विद्यालय की पत्र पंजी से पता चलता है कि प्रधानाध्यापक ने १ अगस्त १९६१ से ५ अगस्त १९६१ तक आकस्मिक अवकाश के लिए आवेदन-पत्र दिया था। ३ अगस्त १९६१, ६ अगस्त १९६१, १३ अगस्त १९६१ तथा १५ अगस्त १९६१ को रविवार एवं अन्य छुट्टियां थीं। शेष तिथियों को प्रधानाध्यापक अवकाश में थे या नहीं, इसका पता शिक्षकों की उपस्थिति पुस्तिका को उपलब्ध नहीं रहने के कारण नहीं हो सका। यह सही है कि उन्होंने इस महीने का पूरा वेतन लिया है।

(३) यह सही है कि उक्त प्रधानाध्यापक ने १ अगस्त १९६१ से १८ अगस्त १९६१ तक भिन्न-भिन्न तिथियों को कार्यक्रम के अनुसार सेन्ट कोलम्बस कॉलेज, हजारीबाग से परीक्षा दी थी पर वे अनुत्तीर्ण रहे।

(४) प्रधानाध्यापक और सहायक प्रधानाध्यापक के विरुद्ध जनता का १४ जुलाई १९६३ का शिकायत-पत्र प्राप्त नहीं है। दिनांक १४ मार्च १९६४ को एक शिकायत-पत्र प्राप्त हुआ है जिस पर कारंवाई की जा रही है।

(५) प्रधानाध्यापक ९ मार्च १९६४ से ३१ मार्च १९६४ तक उपार्जित अवकाश में हैं। अवकाश के बाद इस संबंध में पूरी छानबीन करने के बाद जांच प्रतिवेदन के आधार पर आवश्यक कारंवाई की जायगी।

निर्मल हाई स्कूल, नूरा के प्राचार्य पर आरोप।

१४४४। श्री बृज मोहन सिंह—क्या शिक्षा मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) हजारीबाग जिलान्तर्गत निर्मल हाई स्कूल, नूरा (हजारीबाग) के सचिव और आचार्य कौन हैं, और विद्यालय कब से चल रहा है;